महत्वपूर्ण एवं खास

संत समागम स्थल पर सरस्वती यज्ञ का आयोजन 6 को

राजिम (आरएनएस)। राजिम कुंभ कल्प में चक्र महामेरू पीठाधीश्वर सच्चिदानंद तीर्थ दंडी स्वामी की कुटिया में बुधवार 6 मार्च को सुबह 9 बजे मां सरस्वती यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित श्रद्धालु भाग लेंगे। दंडी स्वामी महाराज जी ने बताया कि इस पवित्र यज्ञ का उद्देश्य भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना तथा समाज, परिवार व राष्ट्र के लिए एक आदर्श नागरिक का निर्माण करने के साथ-साथ धर्म, अध्यात्म व नैतिकता का विकास करना है उन्हें और उनके आत्म-सम्मान को विकसित करना। संस्कृति का परिचय कराना है। यज्ञ के माध्यम से बच्चों को अपने धर्म व संस्कृति का महत्व पता चलता है। स्वामी जी ने बताया कि यज्ञ की पूरी तैयारी कर ली गयी है। यज्ञ के बाद भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रसाद एवं प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे।

कलेक्टर और एसपी ने किया पाली महोत्सव कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

कोरबा (आरएनएस)। कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने आज पाली के केराझरिया में आयोजित होने वाले दो दिवसीय पाली महोत्सव के आयोजन की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने मंच, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, व्हीआईपी बैठक, बेरिकेडिंग, विभागीय स्टॉल सहित अन्य व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति के लिए मंच में आवश्यक व्यवस्था के संबंध में भी निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल में पेयजल, शौचालय, कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था और प्रवेश पास के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा, अपर कलेक्टर प्रदीप कुमार साहू, दिनेश कुमार नाग सहित एसडीएम, पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जिपं अध्यक्ष ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का थामा दामन

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। बिलासपुर जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी इस्तीफा दे दिया है। वह कांग्रेस के समर्थन से जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। इस्तीफा देने के बाद अब उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर लिया है। बता दे कि बिलासपुर जिला पंचायत अध्यक्ष के पद पर इस वक्त अरुण सिंह चौहान काबिज है। जिला पंचायत सदस्य व अध्यक्ष का निर्वाचन दलीय आधार पर नही होता। पर अरुण सिंह चौहान कांग्रेस के समर्थन से पहले जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए फिर जिला पंचायत अध्यक्ष बने। वे विधानसभा चुनाव में कोटा विधानसभा से दावेदारी भी कर रहे थे। पिछले कुछ दिनों से उनके कांग्रेस छोडऩे की अटकलें थीं। आज उन्होंने अपना इस्तीफा भेज दिया। इस्तीफा देने के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव के समक्ष भाजपा प्रवेश कर लिया है। लोकसभा चुनाव से पहले यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है।

आचार संहिता के पूर्व होगा अलंकरण समारोह : टंकराम वर्मा

रायपुर (आरएनएस)। खेल अलंकरण को लेकर मंत्री टंकराम वर्मा ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा है कि आचार संहिता के पहले खिलाडिय़ों को अलंकरण मिलेगा. हम लोग अलंकरण की तैयारी कर लिए हैं. सीएम की व्यस्तता के कारण निर्धारित नहीं हो रहा है. हम लोग उत्साहित हैं. हम लोग देख रहे हैं कि कितना जल्दी ये आयोजन करें. आचार संहिता के पहले हो जाएगा इसका प्रयास है. वहीं आरआई भर्ती परीक्षा की पटवारीयों द्वारा उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर मंत्री ने कहा कि अभी तक हमारे पास कोई शिकायत नहीं आई है.

राजिम कुंभ कल्प में विराट संत समागम का हुआ उद्घाटन

- द्वारका शारदा पीठाधीश्वर और बद्रीनाथ पीठाधीश्वर शंकराचार्यों सहित देशभर के साधु-संत हुए शामिल

गरियाबंद (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार राजिम कुम्भ कल्प का भव्य आयोजन हो रहा है। कुम्भ में विभिन्न प्रदेशों से साधुसंतों एवं श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। इसी कड़ी में आज राजिम कुंभ कल्प मेला में विराट संत समागम का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में अनंत विभूषित ज्योतिष मठ द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज एवं अनंत विभूषित ज्योतिष मठ बद्रीनाथ पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज राजिम पहुंचे। मुख्य मंच पर दोनों शंकराचार्यों का खाद्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी दयाल दास बघेल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजिम विधायक रोहित साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने विधि विधान से चरण वंदन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में दोनों शंकराचार्य एवं अतिथियों ने भगवान राजीव लोचन के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना किया।

'राजिम कुंभ संस्कृति का प्रमाण है - सदानंद महाराज - द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी सदानंद महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि परमात्मा के पद प्राणी को पवित्र करती है। मार्ग में जो प्राणों की रक्षा करें वो पार्थाय है। जो राम नाम का जाप करते हैं। उनके पार्थ राम है। प्राणी मात्र में एक विश्राम का नाम राम है। धर्म रूपी कल्पवृक्ष का बीज राम नाम है। राम ने मनुष्य बनकर वो दिखाया, जो मनुष्य को करना चाहिए। कैसे धर्म का पालन किया जाता है। हमारे वेदों का ज्ञान संतों से ही मिलता है। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ संस्कृति का प्रमाण है। ऐसे आयोजनों से संस्कृति की रक्षा होती है। धर्म की रक्षा करनी है तो धर्म का पालन करें। धर्म की स्वयं रक्षा हो जाएगी। धर्म मार्ग पर चलने की शिक्षा हमें कुंभ से मिलती है। मनुष्य में असीमित क्षमता है, उसे उसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। सृष्टि का अपादान कारक क्या है इसे मनुष्य ही जान सकता है। धर्म की बुद्धि परमात्मा ने मनुष्य को दी है। धर्म-अधर्म और विधर्म को समझें।

धर्माचार्यों के सम्मान की सोच वाली सरकार ही राजिम कुंभ जैसे आयोजन करते है - अविमुक्तेश्वरानंद

बद्रीनाथ पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज ने कहा कि हमारे वेद प्रमाणित है। वेदों में लिखा है। क्या करना है, क्या नहीं करना है। प्रदेश की व्यवस्था राजा और पुलिस कर सकती है, फिर भी संत समागम की आवश्यकता क्यों पड़ती है ताकि संतों की वाणी से लोगों के सदा चारों व्यवहार के शिक्षा की रक्षा की जा सकें। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत लोग धर्माचारियों के उपदेश से नियंत्रित होते हैं। समझदार सरकार धर्माचार्यों से अमृत लेकर बांटते हैं। धर्माचार्यों का सम्मान करने की ऐसी सोच वाली सरकार ही राजिम कुंभ जैसे आयोजन करते है। समझदार सरकार अपनी जनता को ज्ञान का अमृत से लाभान्वित करने ऐसे आयोजन करती है। ये कुंभ कल्प इसी का उदाहरण है। राजिम महानदी का संगम, आचार्य का समागम, अध्यात्मिक लाभ से पवित्र स्थल बन चुका है। इससे पवित्र स्थान नहीं हो सकता। कुंभ कल्प का मतलब कुंभ जैसा होना है। इसलिए इस कुंभ का नाम कुंभ कल्प कर दिया गया। कुंभ कल्प बोलने से मान घटता नही है बढ़ा जाता है। कुंभ जैसा है वो कुंभ ही है। उन्होंने कहा कि आपके साथ हम भी कुंभ का आनंद आह्लाद लेंगे। कुंभ ज्योतिष का योग है। ये योग नक्षत्रों के अनुसार प्रयाग, नासिक, उज्जैन, हरिद्वार जैसे तीर्थों के कुंभ के रूप में होता है। घर के पानी में मैल धोने की क्षमता होती है, लेकिन महानदी जैसे नदियों के पानी में मन का मैल धोने की क्षमता होती है। जिससे राजिम में आने वाले समस्त लोगों को आध्यात्मिक लाभ मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि ये सुखद संयोग है कि छत्तीसगढ़ के मंत्री द्वारा इस मंच पर एक साथ दो शंकराचार्यों को लाकर अद्भुत संजोग बनाया है।

इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने दोनों शंकराचार्यों का राजिम की पावन धरा पर स्वागत करते हुए राजिम कुंभ में आने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि आज हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि राजिम कुंभ कल्प में दोनों शंकराचार्य का दर्शन लाभ मिला है। उन्होंने दोनों जगतगुरूओं से छत्तीसगढ़ और सभी लोगों के सुख और समृद्धि के लिए सबको आशीर्वाद प्रदान करने का निवेदन किया।

मुख्यमंत्री साय आज करेंगे चित्रकोट महोत्सव 2024 का उद्घाटन

- मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में नव दंपत्तियों को देंगे आशीर्वाद
- बस्तर संभाग के लिए 208.32 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 643 विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण-भूमिपूजन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 5 मार्च को चित्रकोट महोत्सव-2024 का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री साय मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम के तहत 340 नव दंपत्तियों को आशीर्वाद भी प्रदान करेंगे। साथ ही इस मौके पर वे बस्तर संभाग के लिए 208.32 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 643 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री 104 करोड़ 20 लाख रूपए की लागत से 177 विकास कार्यों का लोकार्पण और 104 करोड़ 11 लाख रूपए की लागत से 466 विकास कार्यों का भूमिपूजन-शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण किए जाने वाले कार्यों में बस्तर जिले के 12 करोड़ 40 लाख 69 हजार की लागत से 31 विकास कार्य, सुकमा जिले के 10 करोड़ 27 लाख की लागत के 08 विकास कार्य, नारायणपुर जिले के 35 लाख 24 हजार की लागत के तीन विकास कार्य, बीजापुर जिले के 25 करोड़ 83 लाख 18 हजार की लागत के 104 विकास कार्य, कोण्डागांव जिले के एक करोड़ 08 लाख 46 हजार की लागत के 15 विकास कार्य, कांकेर जिले के 47 करोड़ 10 लाख 70 हजार की लागत के 14 विकास कार्य और दंतेवाड़ा जिले के 07 करोड़ 15 लाख 28 हजार की लागत के 02 विकास कार्य का लोकार्पण करेंगे।

इसी तरह भूमिपूजन-शिलान्यास के कार्यों में बस्तर जिले में 10 करोड़ 45 लाख रूपए की लागत के 108 विकास कार्य, सुकमा जिले में 08 करोड़ 50 लाख रूपए की लागत के 06 विकास कार्य, नारायणपुर जिले में 08 करोड़ 73 लाख रूपए की लागत के 14 विकास कार्य, बीजापुर जिले में 10 करोड़ 43 लाख रूपए की लागत के 70 विकास कार्य, कोण्डागांव जिले में 04 करोड़ 28 लाख रूपए की लागत के 07 विकास कार्य, कांकेर जिले में 23 करोड़ 47 लाख रूपए की लागत के 29 विकास कार्य और दंतेवाड़ा जिले में 38 करोड़ 22 लाख रूपए की लागत के 232 विकास कार्य शामिल हैं।

कलेक्टर ने नागरिकों के समस्या निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट कक्ष में जिले के नागरिकों की समस्या से अवगत हुए और उन समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियो को निर्देश दिए। कलेक्टर साहू ने आवेदकों की समस्या को अच्छे से सुने। इन आवेदनों में अवैध कब्जा, अवैध तोड़फोड़, पिता को जमीन बिक्री रोकने पुत्र द्वारा अड़चन पैदा करना, पेंशन, पीएम आवास, सीसी रोड और नाली निर्माण, श्रम विभाग द्वारा हितग्राहियों के आवेदन को बिना सत्यापन किए निरस्त करने के विरुद्ध आवेदन प्राप्त हुए।

गर्म चाय केटली से पत्नी को किया लहूलुहान, आरोपी फरार

कोरबा (आरएनएस)। अपने घर में हमेशा नशा वगैरह का सेवन कर हडकंप मचाने वाले युवक ने कल देर शाम अपनी पत्नी को गर्म चाय की केटली से हमला करते हुए उसे बुरू तरह से लहूलुहान कर दिया। बांगो पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध मारपीट किये जाने तथा पत्नी को अनावश्यक प्रताडित किये जाने का जुर्म दर्ज कर उसकी सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार बांगो थानांतर्गत बाबापारा कोनकोना निवासी रीताबाई गिरी गोस्वामी उम्र 27 को उसका पति पवन गिरी गोस्वामी उम्र 30 आये दिन नशापान करने एवं अपनी मनमानी करने के कारण घर में हडकंप मचाए रखता था। यहां तक कि अनावश्यक पत्नी को प्रताड़ित भी करते रहता था। कल शाम चाय की केटली से पवन गिरी गोस्वामी ने क्रोधित होकर अपनी पत्नी रीता के उपर जोरदार हमला कर दिया जिससे कि लहूलुहान होकर वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

बताया जाता है कि इस घटना की जानकारी होने तथा गंभीर चोट लगने के कारण रीता गिरी गोस्वामी बांगो थाना पहुंचकर टीआई के.के.वर्मा को अपनी व्यथा बताई। जिसके बाद टीआई वर्मा ने मामले की विवेचना शुरू करते ही अपराध क्रमांक 60.24 धारा 294, 506, 323 भादवि के तहत जुर्म दर्ज कर फरार आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

कटघोरा वन मंडल में थर्मल ड्रोन से हो रही हाथियों की निगरानी

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा वन मंडल के केंदई व एतमा नगा रेंज में हाथियों का दल तीन अलग-अलग समूहों में विचरण कर रहा है। जिसमें से दो हाथी केंदई रेंज के खड़पड़ी पारा तथा 15 हाथियों का दल रेंज के ही दलदली क्षेत्र में सक्रिय हे। वहीं 47 हाथियों का दल एतमा नगर रेंज के कटमोरगा जंगल में डेरा डाले हुए है। बड़ी संख्या में मौजूद इन हाथियों की निगरानी अब वन विभाग द्वारा थर्मलड्रोन कैमरे से की जा रही है।

ड्रोन कैमरा हाथियों का लगातार ट्रेकिंग कर उसका लोकेशन भेज रहा है। जिससे विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसकी निगरानी करने में आसानी हो रही है। वन विभाग के सूत्रों के मुताबिक हाथियों के गांव के निकट पहुंचने का लोकेशन ड्रोन कैमरे से मिलते ही विभाग द्वारा तत्काल ग्रामीणों को सचेत किया जा रहा है। साथ ही विभाग का मैदानी अमला मौके पर पहुंचकर हाथियों को खदेडने की कार्रवाई में जूट जाता है। ज्ञात रहे गत दिनों थर्मल ड्रोन कैमरे की खरीदी किए जाने के बाद बूका क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसे चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अधिकारी व कर्मचारी अब इसका आसानी से संचालन कर रहें है। और हाथियों की निगरानी इस कैमरे की मदद से हो रही है।

राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करें : कलेक्टर साहू

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लिया। कलेक्टर ने बैठक की शुरूआत में जिले में कार्यरत राजस्व अधिकारियों, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक पटवारी की संख्या की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों की त्वरित निराकरण करें। रिकार्ड दुरूस्ती 24 घंटे में हो। राजस्व निरीक्षक (आरआई) अपने अधीनस्थ पटवारी के ऑनलाइन और उनके पास कार्यालयीन भौतिक दस्तावेज रिकार्ड को दुरूस्त कराएं। कलेक्टर साहू ने कहा कि किसी भी राजस्व प्रकरण में आवश्यकतानुसार ही पेशी की तारीख दें। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी जो अधीनस्थ न्यायालय की जांच करते हैं वे जांच सही हो। जांच ऐसी होनी चाहिए कि जिससे व्यवस्था में सुधार हो। कलेक्टर साहू ने बैठक में सीमांकन, बटांकन, जाति, निवास, आय, अविवादित खाता विभाजन, विवादित खाता विभाजन, अविवादित नामांतरण, विवादित नामांतरण, डिजिटल हस्ताक्षर, अभिलेख शुद्धता, छुटे हुए खसरा, नक्शा विहीन खसरा, खसरा विहीन नक्शा, संयुक्त खातादार आदि के संबंध में अधिकारियों से चर्चा किए और निर्देश दिए कि सभी कार्य में आज के रिकार्ड और भविष्य में इस प्रकरण का निराकरण शीघ्र करके दें। इसी प्रकार कलेक्टर साहू ने कहा कि ऐसे व्यक्ति जो कई वर्षों पहले से मृत हैं, तो उनका फौती नामांतरण का कार्य उस मृत के वारिसों का नही हैं, पटवारी का काम है कि वो उस मृत व्यक्ति का फौती नामांतरण कराए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर मोनिका वर्मा, एसडीएम बिलाईगढ़ डॉ. स्निग्धा तिवारी, तहसीलदारगण उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

राजिम कुंभ कल्प मेला के मंच पर मोहित शेवानी ने बताया श्रीरामलला के 500 सालों का इतिहास

- छत्तीसगढ़ी गीतों की सुमधुर प्रस्तुति ने दर्शको को किया मंत्रमुग्ध

राजिम (आरएनएस)। राजिम कुंभ कल्प के 9वें दिन मुख्य मंच पर भोपाल से आए मोहित शेवानी ने राम मंदिर की गाथा को सुंदर संगीत के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया है। उनके शानदार प्रस्तुति देख दर्शकों की आंखे भीग गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से राम मंदिर के 500 सालों के इतिहास को संगीत और विजुअल के साथ लोगों के सामने प्रस्तुत किया है। शेवानी ने उज्जैन के राजा विक्रमादित्य द्वारा श्रीरामलला से जुड़ी कथा को बताया। जिसमें प्रभु राम की महिमा और रामायण की सुंदरता को समझने का एक अद्भुत प्रयास और सराहनीय कदम है। इन कहानियो को सुनकर दर्शक भावुक हो उठे। मंच पर कार्यक्रम की अगली कड़ी में हिलेन्द्र ठाकुर बिलासपुर की टीम ने लोककला मंच में छत्तीसगढ़ी से परिपूर्ण गीतां की प्रस्तुति दी जिसमें विवाह गीत से लेकर गौरी-गौरा गीतों का झांकी देखने को मिला। रायपुर के घनश्याम साहू की टीम ने लोकमंच में बारहमासी गीतों की प्रस्तुति देकर एक बार फिर होली की याद दिला दी। इसी के साथ उनकी टीम ने छत्तीसगढ़ी गीत आ जाना गोरी अब झन तरसा.... जैसे चर्चित गीतो को गाकर दर्शक को अपने जगह पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया। दीपाली पांडे ने अपने सुंदर हाव भाव के साथ कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी, जिससे सांस्कृतिक मंच की शोभा अलौकिक लगने लगा।

देखते ही बनती है भगवान राजीव लोचन मंदिर की भव्यता- छत्तीसगढ़ के प्रयागराज धर्म नगरी राजिम की पहचान भगवान राजीव लोचन मंदिर प्रचीन भारतीय सभ्यता का जीता जागता प्रमाण है, इसकी भव्यता देखते ही बनती है। छत्तीसगढ़ के प्रयाग के रूप में प्रख्यात राजिम की ख्याती राजीव लोचन मंदिर व यहां विराजे भगवान विष्णु के साथ जुड़ी है। वहीं नदी के दूसरी ओर कुलेश्वर महादेव का मंदिर इस प्राचीन नगरी को अदभुत बनाती है। राजिम का राजीव लोचन मंदिर आठवीं शताब्दी का है। इसके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक मेला आयोजित किया जाता है।

धर्म नगरी राजिम का प्राचीन नाम कमल क्षेत्र है। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु के नाभि से निकला कमल यहीं पर स्थित था और ब्रह्मा जी ने यहीं से सृष्टि की रचना की थी। इसीलिए इसका नाम कमलक्षेत्र पड़ा। राजिम में महानदी, पैरी नदी तथा सोढूर नदी का संगम होने के कारण यह स्थान छत्तीसगढ़ का त्रिवेणी संगम कहलाता है। संगम के मध्य में कुलेश्वर महादेव का विशाल मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि वनवास काल में राम ने इस स्थान पर अपने कुलदेवता महादेव की पूजा की थी।

ड्रोन कैमरे में दिखी नगर की भव्यता

राजिम नगरी की भव्यता को ड्रोन कैमरे की नजर से देखने का प्रयास किया गया। इस दौरान धर्म नगरी की भव्यता देखते ही बनती है। आसमान की ऊंचाई से राजीव लोचन मंदिर से लेकर महानदी व पूरा नगर एक खास स्वरूप में नजर आया।